पाठ १ दो बैलों की कथा

पाठ का सारांश

यह कहानी दो बैलों हीरा और मोती की है, जो किसान झूरी के प्रिय पशु हैं। झूरी उन्हें बहुत प्यार करता है और वे भी अपने मालिक के प्रति अत्यंत निष्ठावान हैं।

एक दिन झूरी की पत्नी दोनों बैलों को अपने मायके भेज देती है। वहाँ नया मालिक उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता—उन्हें अधिक काम कराया जाता है और ठीक से खाना भी नहीं दिया जाता। इस अत्याचार से दुखी होकर हीरा और मोती रस्सी तोड़कर भाग निकलते हैं।

रास्ते में उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है—भूख, प्यास और खतरे। फिर भी वे साहस और एकता से आगे बढ़ते हैं। अंततः वे अपने असली मालिक झूरी के पास वापस लौट आते हैं।

झूरी उन्हें देखकर बहुत खुश होता है और प्यार से अपनाता है।

संदेश - यह कहानी हमें सिखाती है कि:

- पशुओं में भी भावनाएँ होती हैं।
- सच्ची निष्ठा और प्रेम सबसे बड़ा गुण है।
- अन्याय का विरोध करना चाहिए।
- एकता और साहस से हर कठिनाई को पार किया जा सकता है।

शब्दार्थ:

- निरापद – सुरक्षित
- सहिष्णुता – सहनशीलता
- चौकस – चौकन्ना, सावधान
- विषाद – उदासी
- कदाचित् – कभी, शायद
- आत्मीयता – अपनापन, मैत्री
- विनोद – परिहास, मनोरंजन
- उन्मत्त – मतवाला
- उछाह – उत्सव, आनंद
- व्याकुल – घबराया हुआ
- तृप्ति – संतोष
- तजुरबा – अनुभव
- पछाईं – पालतू पशुओं की एक नस्ल
- गोईं – जोड़ी, साथी
- नाँद – पशुओं को चारा-पानी देने का बड़ा बर्तन
- पगहिया – पशु बाँधने की रस्सी
- गराँव – फुँदेदार रस्सी जो बैल आदि के गले में पहनाई जाती है
- चरनी – चारा-पानी देने की जगह
- थान – पशुओं के बाँधने की जगह

- रेवड़ – पशुओं का झुंड
- खुर – नख
- मेंड़ – खेत की सीमा
- कुलेल – क्रीड़ा
- प्रतिवाद – विरोध
- टिटकार – मुँह से निकला टिक-टिक का शब्द
- मसलहत – हितकर
- रगेदना – खदेड़ना
- मल्लयुद्ध – कुश्ती
- ताकीद – बार-बार चेतावनी देना
- आजमाई – परीक्षा लेना
- चेत – होश, सावधानी
- पराकाष्ठा – अंतिम सीमा
- गण्य – सम्मानित
- विग्रह – अलगाव
- साबिका – सरोकार
- बरकत – वृद्धि, लाभ
- उजड्डपन – अशिष्टता
- बूते – सामर्थ्य
- ग्रास – कौर
- दहक – ज्वाला
- बेतहाशा – बहुत तेजी से
- तेवर – क्रोधभरी दृष्टि
- कांजीहौस – मवेशीखाना, जहाँ लावारिस या दूसरों के खेत खाने वाले पशु बंद किए जाते हैं
- कनखी – तिरछी नजर
- डील – शरीर का कद-काठी
- डुग्गी – छोटा बाजा
- नीलाम – बोली लगाकर बेचना
- अख्तियार/इख्तियार – अधिकार, वश

अभ्यास

रचना से संवाद

मेरे उत्तर मेरे तर्क

निम्नलिखित प्रश्नों के सटीक उत्तर चुनिए और यह भी बताइए कि आपको ये उत्तर उपयुक्त क्यों लगते हैं?

1. कहानी में हीरा और मोती का आपसी संबंध किस गुण को मुख्य रूप से दर्शाता है?

(क) प्रतिस्पर्धा और प्रतिद्वंद्विता

(ख) एकता और सहयोग

(ग) गर्व और दंभ

(घ) विद्रोह और क्रोध

उत्तर: (ख) एकता और सहयोग

कारण: दोनों बैल हर कठिन परिस्थिति में साथ रहते हैं, एक-दूसरे की मदद करते हैं और मिलकर समस्याओं का सामना करते हैं।

2. हीरा-मोती ने नया स्थान स्वीकार क्यों नहीं किया?

(क) उन्हें भरपेट भोजन दिया गया।

(ख) उन्हें बहुत मोटी रस्सी से बाँधा गया।

(ग) मालिक ने बेचा, यह सोचकर उन्हें अपमान लगा।

(घ) उन्हें अलग-अलग बाँधा गया।

उत्तर: (ग) मालिक ने बेचा, यह सोचकर उन्हें अपमान लगा।

कारण: उन्हें लगा कि उनके प्रिय मालिक ने उन्हें बेच दिया है, जिससे उनके स्वाभिमान को ठेस पहुँची और वे दुखी हो गए।

3. बैलों ने रस्सी तोड़कर घर लौटने का निर्णय क्यों लिया?

(क) कष्टों से बचने के लिए

(ख) स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए

(ग) अभिमान की रक्षा के लिए

(घ) अपनापन पाने के लिए

उत्तर: (घ) अपनापन पाने के लिए

कारण: वे अपने असली मालिक झूरी के प्रेम और स्नेह को याद करते हैं, इसलिए अपनापन पाने के लिए वापस लौटते हैं।

4. गया द्वारा डंडे से मारने पर मोती का आक्रोश किस मानवीय मनोवृत्ति का द्योतक है?

(क) स्वाभिमान

(ख) अहिंसा

(ग) पराधीनता

(घ) अन्याय की रक्षा

उत्तर: (क) स्वाभिमान

कारण: मार खाने पर मोती का गुस्सा उसके आत्मसम्मान और अन्याय के प्रति विरोध को दिखाता है।

5. कहानी में बैलों की 'मूक-भाषा' का प्रयोग लेखक ने किस लिए किया?

(क) कहानी को रोचक बनाने के लिए

(ख) मनुष्य जैसी चेतना दिखाने के लिए

(ग) संवादों को छोटा रखने के लिए

(घ) कथा में हास्य उत्पन्न करने के लिए

उत्तर: (ख) मनुष्य जैसी चेतना दिखाने के लिए

कारण: लेखक ने बैलों के भाव और विचार इस तरह दिखाए हैं जैसे वे इंसानों की तरह सोच और समझ सकते हैं।

6. 'दो बैलों की कथा' को यदि स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ें, तो हीरा और मोती किसके प्रतीक हो सकते हैं?

(क) भारत पर अंग्रेजों के क्रूर और अन्यायपूर्ण शासन के

(ख) स्वतंत्रता संग्राम में पशुओं के योगदान के

(ग) सत्याग्रह और अहिंसा के आंदोलन के

(घ) स्वतंत्रता के लिए भारतीय जनता के संघर्ष के

उत्तर: (घ) स्वतंत्रता के लिए भारतीय जनता के संघर्ष के

कारण: बैलों का अन्याय के खिलाफ विद्रोह और स्वतंत्रता की चाह भारतीय लोगों के संघर्ष का प्रतीक है।

मेरी समझ मेरे विचार

नीचे दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा कीजिए और उनके उत्तर लिखिए-

1. "दूसरे दिन गया ने बैलों को हल में जोता, पर इन दोनों ने जैसे पाँव न उठाने की कसम खा ली थी।" जब बैल नए मालिक के यहाँ गए, तो उन्होंने काम करने से इनकार क्यों कर दिया था?

   उत्तर: जब हीरा और मोती नए मालिक के यहाँ गए, तो उन्हें वहाँ प्रेम और अच्छा व्यवहार नहीं मिला। उनसे कठोरता से काम लिया गया, मार-पीट की गई और भरपेट भोजन भी नहीं दिया गया। इस अन्याय और अपमान के कारण उन्होंने विरोध स्वरूप काम करने से इनकार कर दिया।

2. "गाँव के इतिहास में यह घटना अभूतपूर्व न होने पर भी महत्वपूर्ण थी।" बैलों का घर लौट आना कोई साधारण घटना नहीं है। कैसे?

   उत्तर: बैलों का घर लौट आना साधारण घटना नहीं है, क्योंकि उन्होंने मजबूत पगहे तोड़कर, रात में अनजान रास्तों से गुजरते हुए बिना किसी मार्गदर्शन के अपने घर का रास्ता ढूँढ लिया। यह उनकी समझदारी, स्मरण-शक्ति और अपने मालिक के प्रति गहरे प्रेम और निष्ठा को दर्शाता है। इसलिए यह घटना महत्वपूर्ण बन जाती है।

3. "मोती ने मूक-भाषा में कहा- अब तो नहीं सहा जाता, हीरा!" 'कभी-कभी संघर्ष करना आवश्यक हो जाता है' इस कथन को कहानी के उदाहरणों से सिद्ध कीजिए।

   उत्तर: कहानी में कई घटनाएँ यह सिद्ध करती हैं कि कभी-कभी संघर्ष करना आवश्यक हो जाता है। जब हीरा और मोती नए मालिक के अत्याचार सह रहे थे, तो मोती ने कहा कि अब और सहा नहीं जाता। इसके बाद उन्होंने काम करने से इनकार किया और रस्सी तोड़कर भाग निकले। रास्ते में भी उन्होंने अनेक कठिनाइयों और खतरों का सामना साहसपूर्वक किया। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष करना आवश्यक होता है, तभी मुक्ति और सम्मान मिल सकता है।

4. "जब पेट भर गया और दोनों ने आजादी का अनुभव किया..." हीरा एवं मोती 'स्वतंत्रता' और 'अपनापन' दोनों में से किस भावना से अधिक प्रेरित थे? कारण सहित लिखिए।

   उत्तर: हीरा और मोती 'अपनापन' की भावना से अधिक प्रेरित थे।

   यद्यपि उन्हें आज़ादी मिल गई थी, फिर भी वे अपने पुराने मालिक झूरी के पास लौट आए, क्योंकि वहाँ उन्हें प्रेम, स्नेह और सम्मान मिलता था। इससे स्पष्ट है कि उनके लिए केवल स्वतंत्रता नहीं, बल्कि अपनापन अधिक महत्वपूर्ण था।

5. "बैलों ने जैसे पाँव न उठाने की कसम खा ली थी।" 'अत्याचार सहना भी अन्याय में भागीदारी है'- क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के कारण भी बताइए।

   उत्तर: हाँ, मैं इस कथन से सहमत हूँ कि "अत्याचार सहना भी अन्याय में भागीदारी है।"

   यदि कोई व्यक्ति या जीव अन्याय को चुपचाप सहता रहता है, तो अत्याचारी का साहस बढ़ता है और वह और अधिक अन्याय करने लगता है। कहानी में हीरा और मोती ने जब नए मालिक के अत्याचार को सहन करना उचित नहीं समझा, तो उन्होंने काम करने से इनकार कर दिया। यह उनका विरोध था, जिसने दिखाया कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना जरूरी है।

   इसलिए, अन्याय को सहना गलत है; उसका विरोध करना ही सही मार्ग है, तभी समाज में न्याय और समानता बनी रह सकती है।

6. "बहुत दिनों साथ रहते-रहते दोनों में भाईचारा हो गया था।" हीरा और मोती अभिन्न मित्र थे। कहानी की किन-किन घटनाओं के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है? कम से कम तीन बिंदु लिखिए।

   उत्तर: हीरा और मोती के अभिन्न मित्र होने के प्रमाण निम्न घटनाओं से मिलते हैं—

   - हमेशा साथ रहना: दोनों हर समय एक-दूसरे के साथ रहते थे और अलग होना पसंद नहीं करते थे।
   - कठिन समय में साथ देना: नए मालिक के यहाँ अत्याचार सहते समय भी दोनों ने एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ा।
   - संघर्ष में सहयोग: सांड से मुकाबला करते समय दोनों ने मिलकर उसका सामना किया।
   - घर लौटने का निर्णय: दोनों ने साथ मिलकर रस्सी तोड़ी और अपने घर लौट आए।

   इन घटनाओं से स्पष्ट है कि उनके बीच गहरा भाईचारा और सच्ची मित्रता थी।

7. "उसी समय मालकिन ने आकर दोनों के माथे चूम लिए।" कहानी में मालकिन और छोटी लड़की, दोनों के व्यवहार की तुलना कीजिए।

   उत्तर: मालकिन और छोटी लड़की के व्यवहार की तुलना

   - मालकिन – शुरू में बैलों के प्रति कठोर थी और उन्हें ससुराल भेज दिया।
   - छोटी लड़की – बैलों के प्रति दयालु और सहानुभूतिपूर्ण थी, उन्हें खाना देती थी।

   निष्कर्ष: लड़की का व्यवहार प्रेम और करुणा से भरा था, जबकि मालकिन का व्यवहार अपेक्षाकृत कठोर था।

मेरी कल्पना मेरे अनुमान

1. "उसने उनके माथे सहलाए और बोली- खोले देती हूँ। चुपके से भाग जाओ..." यदि आप उस छोटी लड़की होते, तो बैलों की मदद किस प्रकार करते?

उत्तर: यदि मैं वह छोटी लड़की होता/होती, तो मैं बैलों के प्रति दया दिखाते हुए उन्हें चुपके से खोल देता/देती, जैसा कि उसने किया। इसके अलावा, मैं उन्हें थोड़ा खाना और पानी भी देता/देती ताकि वे रास्ते में भूखे-प्यासे न रहें। मैं यह भी सुनिश्चित करता/करती कि वे सुरक्षित रास्ते से अपने घर पहुँच जाएँ।

2. "दोनों गधे अभी तक ज्यों-के-त्यों खड़े थे।" भय और संकोच इंसान को अवसर मिलने पर भी जकड़े रखता है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? इस वाक्य के संबंध में कहानी और अपने अनुभवों से उदाहरण लेते हुए अपने विचार लिखिए।

उत्तर: हाँ, मैं इस कथन से सहमत हूँ कि भय और संकोच इंसान को अवसर मिलने पर भी जकड़े रखते हैं। कहानी में गधों को भागने का अवसर मिला, फिर भी वे डर और झिझक के कारण वहीं खड़े रहे। इससे स्पष्ट होता है कि डर हमें सही निर्णय लेने से रोक सकता है। मेरे अनुभव में भी कई बार ऐसा होता है, जैसे कक्षा में उत्तर जानते हुए भी हम हाथ नहीं उठाते, क्योंकि हमें गलती का डर होता है। इसलिए हमें भय और संकोच पर काबू पाकर अवसर का सही उपयोग करना चाहिए।

मेरे अनुभव मेरे विचार

1. "दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है। इसके बिना दोस्ती कुछ फुसफुसी... " क्या आप इस बात से सहमत हैं? आपको ऐसा क्यों लगता है? अपने अनुभवों के आधार पर बताइए।

उत्तर: हाँ, मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूँ। जब दोस्ती सच्ची और गहरी होती है, तो औपचारिकता खत्म हो जाती है। हम अपने घनिष्ठ मित्रों के साथ बिना सोचे-समझे मजाक करते हैं, उन्हें छेड़ते हैं - यही घनिष्ठता की पहचान है। मेरे जीवन में भी मेरे सबसे अच्छे मित्र के साथ यही होता है - हम एक-दूसरे को चिढ़ाते भी हैं और ज़रूरत में साथ भी देते हैं।

2. "हीरा ने तिरस्कार किया- गिरे हुए बैरी पर सींग न चलाना चाहिए।" "यह सब ढोंग है..." आपका इस संबंध में क्या विचार है? आप किसके साथ हैं- हीरा के या मोती के या दोनों के? क्यों?

उत्तर: मैं हीरा के विचारों के साथ हूँ। गिरे हुए शत्रु पर वार करना कायरता है, वीरता नहीं। यह भारतीय संस्कृति के मूल्यों के भी विरुद्ध है। जो शत्रु पराजित हो गया हो, उस पर आक्रमण करना क्रूरता है। साथ ही, अनावश्यक हिंसा से खुद की छवि भी खराब होती है। हीरा का संयम और नैतिकता उसे महान बनाते हैं।

3. "हम और तुम इतने दिनों एक साथ रहे। आज तुम विपत्ति में पड़ गए तो मैं तुम्हें छोड़कर अलग हो जाऊँ?" क्या कभी आपने किसी विपत्ति या चुनौती का सामना अपने किसी मित्र या परिजन के साथ मिलकर किया है? उस घटना के विषय में बताइए।

उत्तर: हाँ, मैंने भी एक बार अपने मित्र के साथ मिलकर एक कठिन परिस्थिति का सामना किया था। परीक्षा के समय उसकी तबीयत खराब हो गई थी, जिससे वह पढ़ाई नहीं कर पा रहा था और बहुत चिंतित था। तब मैंने उसकी सहायता करने का निर्णय लिया। मैं रोज़ उसके घर जाकर उसे पढ़ाई समझाता था। हम दोनों ने मिलकर धीरे-धीरे तैयारी की। अंततः उसने परीक्षा दी और अच्छे अंक प्राप्त किए। इस अनुभव से मुझे यह समझ में आया कि सच्चा मित्र वही होता है, जो मुश्किल समय में साथ निभाए।

विद्या से संवाद

कहानी की पड़ताल

कहानी ऐसी रचना है जिसमें जीवन के किसी एक अंग या किसी एक मनोभाव को प्रदर्शित करना ही लेखक का उद्देश्य रहता है। उसके चरित्र, उसकी शैली, उसका कथा-विन्यास सभी उसी एक भाव को पुष्ट करते हैं।

कोई कहानी वास्तविक या काल्पनिक घटनाओं पर आधारित हो सकती है और इसमें वास्तविक या काल्पनिक पात्र भी शामिल हो सकते हैं।

आप कहानी लेखन की इस प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए एक कहानी का शीर्षक चुनिए और दिए गए मुख्य बिंदुओं को पूरा कीजिए-

बिंदु	विवरण
• शीर्षक और लेखक • विषय • क्रिया/कार्य • परिवेश (देश-काल) और मुख्य विचार • चरित्र/पात्र • परिणाम	

उत्तर:

बिंदु	विवरण
• शीर्षक और लेखक	– सच्ची मित्रता – (स्वरचित)
• विषय	– सच्ची दोस्ती और सहयोग
• क्रिया/कार्य	– दो मित्रों में से एक कठिनाई में फँस जाता है, दूसरा मित्र उसकी मदद करता है और दोनों मिलकर समस्या का समाधान करते हैं।
• परिवेश (देश-काल) और मुख्य विचार	– एक गाँव का वातावरण; मुख्य विचार – सच्चा मित्र वही होता है जो विपत्ति में साथ दे।
• चरित्र/पात्र	– राम (सहायता करने वाला मित्र), श्याम (कठिनाई में फँसा मित्र)
• परिणाम	– दोनों मित्र मिलकर समस्या से बाहर निकलते हैं और उनकी मित्रता और भी मजबूत हो जाती है।

कहानी का सौंदर्य

"दोनों सिर झुकाकर उसका हाथ चाटने लगे। दोनों की पूँछ खड़ी हो गई।"

इस वाक्य को पढ़कर आँखों के सामने एक दृश्य-सा बन जाता है। आप जानते हैं कि भाषा की इस विशेषता को चित्रात्मकता कहते हैं। 'दो बैलों की कथा' कहानी में ऐसी अनेक विशेषताएँ हैं जो इसे अद्भुत और प्रभावपूर्ण बनाती हैं।

नीचे इस कहानी में आए कुछ विशेष बिंदुओं को उदाहरण के साथ दिया गया है। आप भी एक-एक उदाहरण खोजकर तालिका में लिखिए-

विशेषता	विशेषता का अर्थ	उदाहरण 1	उदाहरण 2
• चित्रात्मक भाषा	शब्दों के माध्यम से पाठक के मन में स्पष्ट और जीवंत चित्र बनाना।	घुटने तक पाँव कीचड़ से भरे हैं।	
• संवादात्मकता	पात्रों के विचार और भाव व्यक्त करने के लिए बातचीत का प्रयोग।	मर जाऊँगा, पर उसके काम तो न आऊँगा।	
• विरोधाभास	एक ही प्रसंग में दो विपरीत बातें एक साथ मौजूद होना।	झूरी बैलों को देखकर स्नेह से गदगद हो गया। झूरी की स्त्री ने बैलों को द्वार पर देखा, तो जल उठी।	
• व्यंग्य	मजाक या कटाक्ष के माध्यम से किसी दोष या अन्याय को प्रकट करना।	अगर वे भी ईंट का जवाब पत्थर से देना सीख जाते तो शायद सभ्य कहलाने लगते।	
• संघर्ष	दो विरोधी शक्तियों या विचारों का आपस में टकराना।	उससे भिड़ना जान से हाथ धोना है; लेकिन न भिड़ने पर भी जान बचती नहीं नज़र आती। (बैल बनाम साँड़)	
• अतिशयोक्ति	किसी भाव या घटना का इतना बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन करना कि वह असंभव लगे।	झूरी इन्हें फूल की छड़ी से भी न छूता था। उसकी टिटकार पर दोनों उड़ने लगते थे।	
• संदेह/उलझन	जब पात्र किसी निर्णय पर नहीं पहुँच पाता।	सारा दिन बीत गया और खाने को एक तिनका भी न मिला। समझ ही में न आता था, यह कैसा स्वामी है?	

उत्तर:

विशेषता	विशेषता का अर्थ	उदाहरण 1	उदाहरण 2 (अतिरिक्त खोज)
• चित्रात्मक भाषा	शब्दों के माध्यम से पाठक के मन में स्पष्ट और जीवंत	घुटने तक पाँव कीचड़ से भरे हैं।	"झूरी ने उन्हें देखा तो गले लगा लिया और उनकी आँखों से स्नेह

विशेषता	विशेषता का अर्थ	उदाहरण 1	उदाहरण 2 (अतिरिक्त खोज)
	चित्र बनाना।		की वर्षा होने लगी।"
• संवादात्मकता	पात्रों के विचार और भाव व्यक्त करने के लिए बातचीत का प्रयोग।	मर जाऊँगा, पर उसके काम तो न आऊँगा।	"बस, यही तो दुःख है। हम अपनी जान पर खेल जाते हैं और हमें कोई पूछता तक नहीं।"
• विरोधाभास	एक ही प्रसंग में दो विपरीत बातें एक साथ मौजूद होना।	झूरी बैलों को देखकर स्नेह से गदगद हो गया। झूरी की स्त्री ने बैलों को द्वार पर देखा, तो जल उठी।	"गया ने उन्हें सूखा भूसा दिया, जबकि वह अपने बैलों को खली-चुनी खिलाता था।"
• व्यंग्य	मजाक या कटाक्ष के माध्यम से किसी दोष या अन्याय को प्रकट करना।	अगर वे भी ईंट का जवाब पत्थर से देना सीख जाते तो शायद सभ्य कहलाने लगते।	"गधे के चेहरे पर एक स्थायी विषाद छाया रहता है, जैसे उसे किसी भी सुख-दुःख की चिंता न हो।"
• संघर्ष	दो विरोधी शक्तियों या विचारों का आपस में टकराना।	उससे भिड़ना जान से हाथ धोना है; लेकिन न भिड़ने पर भी जान बचती नहीं नज़र आती। (बैल बनाम साँड़)	"हीरा ने दीवार गिरा दी थी, पर स्वयं भागने के बजाय मोती के लिए रुका रहा।"
• अतिशयोक्ति	किसी भाव या घटना का इतना बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन करना कि वह असंभव लगे।	झूरी इन्हें फूल की छड़ी से भी न छूता था। उसकी टिटकार पर दोनों उड़ने लगते थे।	"मोती ने दीवार को एक ही टक्कर में इस तरह गिराया जैसे वह मिट्टी का खिलौना हो।"
• संदेह/उलझन	जब पात्र किसी निर्णय पर नहीं पहुँच पाता।	सारा दिन बीत गया और खाने को एक तिनका भी न मिला। समझ ही में न आता था, यह कैसा स्वामी है?	"वे सोचते थे कि झूरी ने उन्हें बेच दिया है या वह उनसे नाराज है।"

कहानी की रचना

प्रायः कहानी के प्रारंभ में ही कहानी के मुख्य चरित्र, कहानी का समय, कहानी की भाषा, घटनाओं आदि के कुछ संकेत मिलने लगते हैं। प्रेमचंद की इस कहानी में भी ऐसे संकेत हैं। आप कहानी के ऐसे संकेत/बिंदुओं को ढूँढ़कर लिखिए।

उत्तर: मुंशी प्रेमचंद की कहानी "दो बैलों की कथा" के प्रारंभ में ही कई संकेत मिल जाते हैं, जो कहानी की दिशा स्पष्ट करते हैं:

- मुख्य पात्रों का परिचय: शुरुआत में ही हीरा और मोती नामक बैलों का परिचय मिल जाता है, जो कहानी के प्रमुख चरित्र हैं।
- समय और परिवेश: कहानी का वातावरण ग्रामीण है, जिससे पता चलता है कि यह किसी गाँव और किसान जीवन से जुड़ी कथा है।
- भाषा का स्वरूप: भाषा सरल, सहज और बोलचाल की है, जिससे यह आम लोगों के जीवन के निकट लगती है।
- भाव और संबंध: प्रारंभ में ही बैलों के आपसी प्रेम और उनके मालिक झूरी के साथ उनके संबंधों का संकेत मिलता है।
- घटनाओं का संकेत: शुरुआत से ही यह आभास हो जाता है कि आगे चलकर बैलों के जीवन में कोई परिवर्तन या संघर्ष आने वाला है।

इन संकेतों से पाठक को कहानी की दिशा, पात्रों के स्वभाव और मुख्य विषय का अंदाज़ा हो जाता है।

विषयों से संवाद

कहानी का समय और समाज

'दो बैलों की कथा' कहानी जिस समय लिखी गई थी, उस समय भारत पर अंग्रेजों का दमनकारी शासन चल रहा था। उस समय भारतीय भी अपने-अपने ढंग से इस अंग्रेजी शासन का विरोध कर रहे थे। इस कार्य में लेखक भी किसी से पीछे नहीं थे। वे अपनी रचनाओं के माध्यम से लोगों को स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने हेतु प्रेरित कर रहे थे।

इस कहानी में से कुछ वाक्य चुनकर नीचे दिए गए हैं। इन वाक्यों का मिलान स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े उपयुक्त वाक्यों के साथ कीजिए-

कहानी में से वाक्य	स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ाव
1. जोर तो मारता ही जाऊँगा, चाहे कितने ही बंधन पड़ते जाएँ।	1. भगत सिंह और चंद्रशेखर आज़ाद जैसे क्रांतिकारियों ने बलिदान दिया, जिससे लाखों भारतीयों में आज़ादी की प्रेरणा जगी।
2. मर जाऊँगा, पर उसके काम तो न आऊँगा।	2. भारतीय जनता के मन में ब्रिटिश शासन के प्रति विद्रोह धीरे-धीरे गहराता गया।
3. हमारी जान को कोई जान ही नहीं समझता।	3. ब्रिटिश साम्राज्य बहुत शक्तिशाली था, फिर भी स्वतंत्रता सेनानियों ने साहसपूर्वक उसका सामना किया।
4. दोनों मित्रों की आँखों में, रोम-रोम में विद्रोह भरा हुआ था।	4. दासता के काल में भारतीयों के प्राण, सम्मान और अधिकारों की कोई महत्ता नहीं थी।
5. इतना तो हो ही गया कि नौ-दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे।	5. स्वतंत्रता के लिए प्राण देना स्वीकार्य था, पर अंग्रेजों की सेवा में लगना अस्वीकार्य।
6. साँड़ पूरा हाथी है... पर दोनों मित्र जान हथेलियों पर लेकर लपके।	6. स्वतंत्रता सेनानी बार-बार जेल गए, फाँसी पर चढ़े, पर संघर्ष छोड़ने को तैयार नहीं हुए।

उत्तर:

कहानी में से वाक्य	स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ाव
1. जोर तो मारता ही जाऊँगा, चाहे कितने ही बंधन पड़ते जाएँ।	– 6. स्वतंत्रता सेनानी बार-बार जेल गए, फाँसी पर चढ़े, पर संघर्ष छोड़ने को तैयार नहीं हुए।
2. मर जाऊँगा, पर उसके काम तो न आऊँगा।	– 5. स्वतंत्रता के लिए प्राण देना स्वीकार्य था, पर अंग्रेजों की सेवा में लगना अस्वीकार्य।
3. हमारी जान को कोई जान ही नहीं समझता।	– 4. दासता के काल में भारतीयों के प्राण, सम्मान और अधिकारों की कोई महत्ता नहीं थी।
4. दोनों मित्रों की आँखों में, रोम-रोम में विद्रोह भरा हुआ था।	– 2. भारतीय जनता के मन में ब्रिटिश शासन के प्रति विद्रोह धीरे-धीरे गहराता गया।
5. इतना तो हो ही गया कि नौ-दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे।	– 1. भगत सिंह और चंद्रशेखर आज़ाद जैसे क्रांतिकारियों ने बलिदान दिया, जिससे लाखों भारतीयों में आज़ादी की प्रेरणा जगी।
6. साँड़ पूरा हाथी है... पर दोनों मित्र जान हथेलियों पर लेकर लपके।	– 3. ब्रिटिश साम्राज्य बहुत शक्तिशाली था, फिर भी स्वतंत्रता सेनानियों ने साहसपूर्वक उसका सामना किया।

पशुओं के लिए कानून

नीचे दिए गए संवाद पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

"मैं तो समझता हूँ, चुराए लिए आते हो। चुपके से चले जाओ। मेरे बैल हैं, मैं बेचूँगा, तो बेचूँगा। किसी को मेरे बैल नीलाम करने का क्या अधिकार है!"

"जाकर थाने में रपट कर दूँगा।"

"मेरे बैल हैं। इसका सबूत यह है कि मेरे द्वार पर खड़े हैं।"

1. बैलों का काँजीहाउस में बंद होना न्याय और अन्याय दोनों को दर्शाता है। कैसे?

उत्तर: काँजीहाउस में बैलों को बंद करना न्याय इसलिए है क्योंकि नियम के अनुसार जो पशु दूसरों के खेत में नुकसान करते हैं या लावारिस होते हैं, उन्हें पकड़कर वहाँ रखा जाता है।

लेकिन यह अन्याय भी है क्योंकि हीरा और मोती वास्तव में लावारिस नहीं थे; वे अपने मालिक के बैल थे और परिस्थितिवश वहाँ पहुँचे थे। उन्हें बिना पूरी जाँच के बंद करना अन्यायपूर्ण था।

2. यदि अवसर मिले तो आप बैलों की ओर से कौन-कौन से कानूनी अधिकार माँगेंगे?

उत्तर: यदि मुझे अवसर मिले, तो मैं बैलों के लिए ये अधिकार माँगूँगा/माँगूँगी—

- उन्हें उचित भोजन और पानी मिलने का अधिकार।
- मार-पीट और अत्याचार से सुरक्षा का अधिकार।
- उनके असली मालिक तक सुरक्षित पहुँचाने का अधिकार।
- स्वतंत्रता और सम्मानजनक व्यवहार का अधिकार।

3. हीरा-मोती थानाध्यक्ष को शिकायत पत्र लिखते हैं।

उत्तर: शिकायत पत्र:

सेवा में,

थानाध्यक्ष महोदय,

(स्थान)

विषय: अन्यायपूर्ण बंदीकरण के संबंध में शिकायत

महोदय,

सविनय निवेदन है कि हम दोनों बैल, हीरा और मोती, अपने मालिक झूरी के हैं। हमें गलतफहमी के कारण काँजीहाउस में बंद कर दिया गया है। हम लावारिस नहीं हैं और न ही हमने जानबूझकर किसी को नुकसान पहुँचाया है।

अतः आपसे निवेदन है कि हमारी स्थिति की जाँच कर हमें हमारे असली मालिक के पास भेजने की कृपा करें। साथ ही, हमें उचित भोजन और देखभाल भी प्रदान की जाए।

धन्यवाद।

भवदीय,

हीरा एवं मोती

हमारी धरोहर और संस्कृति

1. "वह अपना धर्म छोड़ दे लेकिन हम अपना धर्म क्यों छोड़ें!"

कहानी के अनुसार हीरा और मोती सदा ध्यान रखते थे कि कौन-से कार्य करने योग्य हैं और कौन-से नहीं। वे कौन-कौन से कार्य कभी नहीं करते थे?

उत्तर: हीरा और मोती हमेशा सही और गलत का ध्यान रखते थे। वे—

- किसी पर अनावश्यक अत्याचार नहीं करते थे।
- कमजोर या गिरे हुए शत्रु पर वार नहीं करते थे।
- औरतों (स्त्रियों) पर हमला नहीं करते थे।
- अपने मालिक के प्रति विश्वासघात नहीं करते थे।

2. "गिरे हुए बैरी पर सींग न चलाना चाहिए।" "लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूले जाते हो!" हीरा के ये कथन किन भारतीय मूल्यों की ओर संकेत करते हैं?

उत्तर: हीरा के कथन भारतीय मूल्यों को दर्शाते हैं, जैसे—

- अहिंसा – बिना कारण किसी को नुकसान न पहुँचाना
- करुणा और दया – कमजोर के प्रति सहानुभूति रखना
- नैतिकता – सही और गलत का भेद समझना

- सम्मान – स्त्रियों के प्रति आदर भाव रखना

3. "दूसरे दिन गया ने बैलों को हल में जोता"

(क) खेतों में जुताई के लिए बैल और हल कृषि के पारंपरिक उपकरण हैं। कृषि के अन्य पारंपरिक और आधुनिक उपकरणों तथा उनके उपयोग के विषय में पता लगाइए और लिखिए।

उत्तर: कृषि के पारंपरिक और आधुनिक उपकरण:

- पारंपरिक उपकरण:
  - हल – खेत जोतने के लिए
  - बैल – हल खींचने के लिए
  - दरांती – फसल काटने के लिए
  - कुआँ और चरखी – पानी निकालने के लिए
- आधुनिक उपकरण:
  - ट्रैक्टर – जुताई और भारी काम के लिए
  - हार्वेस्टर – फसल काटने के लिए
  - थ्रेशर – अनाज अलग करने के लिए
  - पंपसेट – सिंचाई के लिए

(ख) भारत में बैल केवल पशु नहीं बल्कि कृषि संस्कृति का अभिन्न अंग हैं। लिखिए कि भारतीय गाँवों एवं शहरों में भी बैल किस-किस काम में सहायक होते हैं?

उत्तर: भारत में बैल कई कार्यों में सहायक होते हैं—

- खेतों की जुताई करने में
- बैलगाड़ी खींचकर सामान ढोने में
- पानी निकालने (रहट आदि) में
- गाँवों में परिवहन के साधन के रूप में
- कुछ जगहों पर धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यों में

इस प्रकार बैल भारतीय कृषि और जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

अलग-अलग और साथ-साथ

“दो-चार बार मोती ने गाड़ी को सड़क की खाई में गिराना चाहा; पर हीरा ने संभाल लिया। वह ज्यादा सहनशील था।”

1. कहानी के आधार पर हीरा और मोती की विशेषताएँ लिखिए।

(संकेत— धैर्यवान, गुस्सैल, मेहनती, शांत, सहनशील आदि)

उत्तर: हीरा और मोती की विशेषताएँ —

- हीरा – धैर्यवान, शांत, सहनशील, समझदार और संयमी था। वह हर स्थिति को समझदारी से संभालता था।
- मोती – थोड़ा गुस्सैल, उत्साही, साहसी और जल्द प्रतिक्रिया देने वाला था। वह अन्याय सहन नहीं करता था।

दोनों ही मेहनती, वफादार और सच्चे मित्र थे।

2. हीरा और मोती की विशेषताएँ कुछ-कुछ समान और कुछ-कुछ अलग हैं, किंतु उनकी भिन्न विशेषताएँ एक-दूसरे को पूरा करती हैं। कैसे?

उत्तर: हीरा और मोती की अलग-अलग विशेषताएँ उन्हें और मजबूत बनाती हैं।

- जब मोती गुस्से में गलत कदम उठाने लगता था, तो हीरा उसे शांत और नियंत्रित करता था।
- जब हीरा अधिक सहन करता था, तब मोती उसे अन्याय के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा देता था।

इस प्रकार दोनों की विशेषताएँ मिलकर संतुलन बनाती हैं और उन्हें सफल बनाती हैं।

3. आपकी कक्षा में भी कुछ-कुछ समान और कुछ-कुछ भिन्न विशेषताओं वाले सहपाठी हैं। सबकी आवश्यकताएँ भी थोड़ी समान और थोड़ी भिन्न हैं। बताइए कि आप भिन्न विशेषताओं वाले सहपाठी से अपने लिए कैसा व्यवहार चाहते हैं? उनसे पता कीजिए कि वे आपसे अपने लिए कैसा व्यवहार चाहते हैं?

(संकेत— क्या-क्या करें और क्या-क्या न करें, कैसे पढ़ाई खेल आदि में एक-दूसरे की सहायता करें और साथ दें)

उत्तर: मैं अपने सहपाठियों से यह व्यवहार चाहता/चाहती हूँ—

क्या करें:

- एक-दूसरे की मदद करें
- सम्मानपूर्वक बात करें
- पढ़ाई और खेल में सहयोग दें

क्या न करें:

- मजाक उड़ाना या झगड़ा करना
- किसी को कमजोर समझना

मैं भी उनसे यही जानना चाहूँगा/चाहूँगी कि वे चाहते हैं कि मैं—

- उनसे अच्छे से बात करूँ
- जरूरत पड़ने पर उनकी मदद करूँ
- टीमवर्क में साथ दूँ

इससे हमारी कक्षा में मित्रता और सहयोग का माहौल बनता है।

4. "दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दूसरे से मूक-भाषा में विचार-विनिमय करते थे।"

कहानी में अनेक स्थानों पर 'मूक-भाषा' का उल्लेख किया गया है। आपके विचार से हीरा और मोती किस प्रकार आपस में बातें किया करते होंगे? अनुमान और कल्पना से बताइए।

उत्तर: हीरा और मोती बिना बोले आँखों, इशारों और हाव-भाव से बात करते होंगे।

- आँखों से संकेत देना
- सिर हिलाकर सहमति या असहमति जताना
- शरीर की हरकतों से अपने विचार बताना

इस प्रकार वे एक-दूसरे की भावनाएँ आसानी से समझ लेते थे।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

5. आप भी अनेक अवसरों पर बिना शब्दों का उच्चारण किए संवाद करते हैं। कब-कब? कहाँ-कहाँ? कुछ उदाहरण लिखिए।

उत्तर: हम भी कई बार बिना बोले संवाद करते हैं, जैसे—

- कक्षा में शिक्षक के सामने इशारों से बात करना
- खेल के समय हाथ के संकेत देना
- किसी को देखकर मुस्कान या चेहरे के भाव से भावना व्यक्त करना
- चुप रहने के लिए उंगली होंठों पर रखना

ये सभी मूक-भाषा के उदाहरण हैं।

भारतीय सांकेतिक भाषा

आप नीचे दी गई इंटरनेट कड़ी (लिंक) पर जाकर भारतीय सांकेतिक भाषा सीख सकते हैं—

- https://www.youtube.com/@ISLRTC
- https://islrtc.nic.in/

मार्ग खोजेंगे कैसे?

"सीधे दौड़ते चले गए। यहाँ तक कि मार्ग का ज्ञान न रहा। जिस परिचित मार्ग से आए थे, उसका यहाँ पता न था। नए-नए गाँव मिलने लगे।"

1. हीरा-मोती अपने घर के मार्ग से भटक गए थे। क्या कभी आपके साथ ऐसा हुआ है कि आप रास्ता भूल गए या भटक गए? तब आपने अपने मार्ग का पता कैसे लगाया था?

   उत्तर: हाँ, एक बार मैं अपने परिवार के साथ बाजार गया/गई था/थी और भीड़ में उनसे अलग हो गया/गई। मुझे रास्ता समझ नहीं आ रहा था। तब मैंने घबराने के बजाय एक दुकान वाले से मदद माँगी और पास के पुलिसकर्मी को भी बताया। उन्होंने मेरे परिवार से संपर्क कराया और मैं सुरक्षित वापस पहुँच गया/गई।

2. यदि कोई व्यक्ति भटक जाए तो उसे क्या करना चाहिए कि वह सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुँच जाए। कक्षा में चर्चा कीजिए और लिखिए।

   (संकेत— ऑनलाइन मानचित्र, पुलिस, स्कूल, सरकारी भवन, विद्यार्थी, सड़क पर लगे सूचना-पट, दुकानों के बोर्डों पर लिखे पते, डाकघर आदि।)

   उत्तर: यदि कोई व्यक्ति रास्ता भूल जाए, तो उसे—

   - घबराना नहीं चाहिए और शांत रहना चाहिए।
   - ऑनलाइन मानचित्र (Google Maps) का उपयोग करना चाहिए।
   - पास के पुलिस स्टेशन या पुलिसकर्मी से मदद लेनी चाहिए।
   - स्कूल, सरकारी भवन, डाकघर जैसे सुरक्षित स्थानों पर जाना चाहिए।

- दुकानदारों या आसपास के लोगों से रास्ता पूछना चाहिए।
- सड़क पर लगे सूचना-पट और साइनबोर्ड पढ़कर दिशा समझनी चाहिए।

3. आपके विद्यालय में आपदा की स्थिति में निकासी का मार्ग दर्शाने वाला मानचित्र अवश्य होगा। उसे ध्यानपूर्वक देखिए और पता लगाइए कि आपदा की स्थिति में आपकी कक्षा के सबसे निकट और सुरक्षित कौन-सा मार्ग है।

   उत्तर: हमारे विद्यालय में आपदा की स्थिति में निकासी के लिए एक मानचित्र लगा हुआ है। उसे देखकर पता चलता है कि—

   - हमारी कक्षा से सबसे निकट मुख्य द्वार (Main Gate) की ओर जाने वाला रास्ता सबसे सुरक्षित है।
   - इस मार्ग में खुला और कम भीड़ वाला रास्ता है।
   - आपदा के समय हमें शांतिपूर्वक पंक्ति में चलकर उसी मार्ग से बाहर निकलना चाहिए।

सुजन

1. हीरा और मोती की दैनंदिनी

   कहानी में हीरा और मोती आपस में मनुष्यों की तरह बातें करते दिखते हैं। कल्पना कीजिए कि वे लिख-पढ़ भी सकते हैं। हीरा या मोती की नज़र से उस दिन की डायरी लिखिए जब उन्हें काँजीहौस ले जाया गया।

   कैसे लिखें—

   - "आज का दिन..." से आरंभ करें।
   - भावनाएँ लिखें (भूख, गुस्सा, दर्द)।
   - अंत में आशा या संकल्प लिखें।

   (संकेत— "आज हमें काँजीहाउस में बंद किया गया। भूख से पेट जल रहा है। पर विश्वास है कि झूरी हमें वापस ले जाएगा।")

   उत्तर:

   आज का दिन...

   आज का दिन बहुत ही कठिन और दुखद रहा। सुबह से ही हमें काँजीहाउस में बंद कर दिया गया। मैं और मोती दोनों भूख से परेशान थे। पूरा दिन बीत गया, लेकिन खाने के लिए एक तिनका भी नहीं मिला। मजबूरी में हम दीवार की नमकीन मिट्टी चाटते रहे, फिर भी पेट नहीं भरा।

   मैंने हिम्मत जुटाई और अपने नुकीले सींग दीवार में गड़ा दिए। जोर लगाने पर मिट्टी का एक टुकड़ा निकल आया। मोती भी मेरे साथ लग गया। तभी चौकीदार लालटेन लेकर आया और हमें डंडे मारने लगा, पर हमने हार नहीं मानी। मोती ने कहा, "अब तो नहीं सहा जाता, हीरा!" मैंने उसे समझाया, "हम कोशिश करते रहेंगे, चाहे कितनी भी मुश्किलें आएँ।"

   रात होते-होते हमने मिलकर दीवार तोड़ दी। कई घोड़े, बकरियाँ और भैंसें भी आज़ाद हो गईं। हमें खुशी है कि हमने कई जानवरों की जान बचाई।

अब बहुत थकान और भूख है, लेकिन मन में उम्मीद है कि हमारा मालिक हमें जरूर ढूँढ लेगा। हम हिम्मत नहीं हारेंगे और एक दिन अपने घर वापस जरूर पहुँचेंगे।

– तुम्हारा, हीरा

2. आज के समाचार

मान लीजिए आप एक स्थानीय समाचार पत्र के संवाददाता हैं। अपने समाचार पत्र के लिए बैलों के काँजीहाउस से भागने का समाचार लिखिए।

कैसे लिखें—

- शीर्षक दें।
- घटना का विवरण (कहाँ, कब, क्या हुआ)।
- परिणाम और लोगों की प्रतिक्रिया।

(संकेत— शीर्षक 'दो बहादुर बैलों ने तोड़ी बेड़ियाँ')

उत्तर: "दो बहादुर बैलों ने तोड़ी बेड़ियाँ"

समाचार:

कल रात गाँव के काँजीहाउस में एक अनोखी घटना घटी। दो बैल, हीरा और मोती, अपनी सूझ-बूझ और साहस से काँजीहाउस की दीवार तोड़कर भाग निकले।

बताया जाता है कि ये बैल कई दिनों से भूखे और परेशान थे। अवसर मिलते ही उन्होंने मिलकर दीवार को तोड़ दिया और अन्य पशुओं को भी आज़ादी दिलाई।

सुबह जब गाँव वालों को यह खबर मिली, तो सभी आश्चर्यचकित रह गए। कुछ लोगों ने बैलों की बहादुरी की सराहना की, तो कुछ ने इसे लापरवाही बताया।

3. कहानी का नया अंत

यदि बैल वापस न लौटते तो कहानी का अंत कैसे होता? कहानी का नया अंत लिखिए।

कैसे लिखें—

- बैलों की नई जगह।
- झूरी की स्थिति।

(संकेत— 'हीरा और मोती अब एक बूढ़े किसान के घर शांति से रह रहे हैं।')

उत्तर:

यदि हीरा और मोती वापस न लौटते, तो वे किसी दूसरे गाँव में पहुँच जाते। वहाँ एक बूढ़ा किसान उन्हें अपनाकर प्यार से रखता।

दूसरी ओर, झूरी बहुत दुखी होता और अपने बैलों को याद करता रहता। वह उन्हें ढूँढ़ने की कोशिश करता, पर वे नहीं मिलते।

समय के साथ हीरा और मोती नए घर में शांति से रहने लगते, लेकिन अपने पुराने मालिक को कभी नहीं भूलते।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

4. चित्रकथा लेखन

नीचे 'दो बैलों की कथा' की एक घटना को चित्रकथा के रूप में दिया गया है। इन घटनाओं को पहचानिए। प्रत्येक घटना के लिए उपयुक्त संवाद और घटनाक्रम बताने वाले वाक्य लिखिए।

कैसे लिखें—

- हर चित्र के लिए एक छोटा संवाद बनाकर लिखिए।
- दृश्य का क्रम— बंद करना, भागने की योजना, दीवार तोड़ना, आज़ादी।

(संकेत— चित्र 4: "अब हम आज़ाद हैं।")

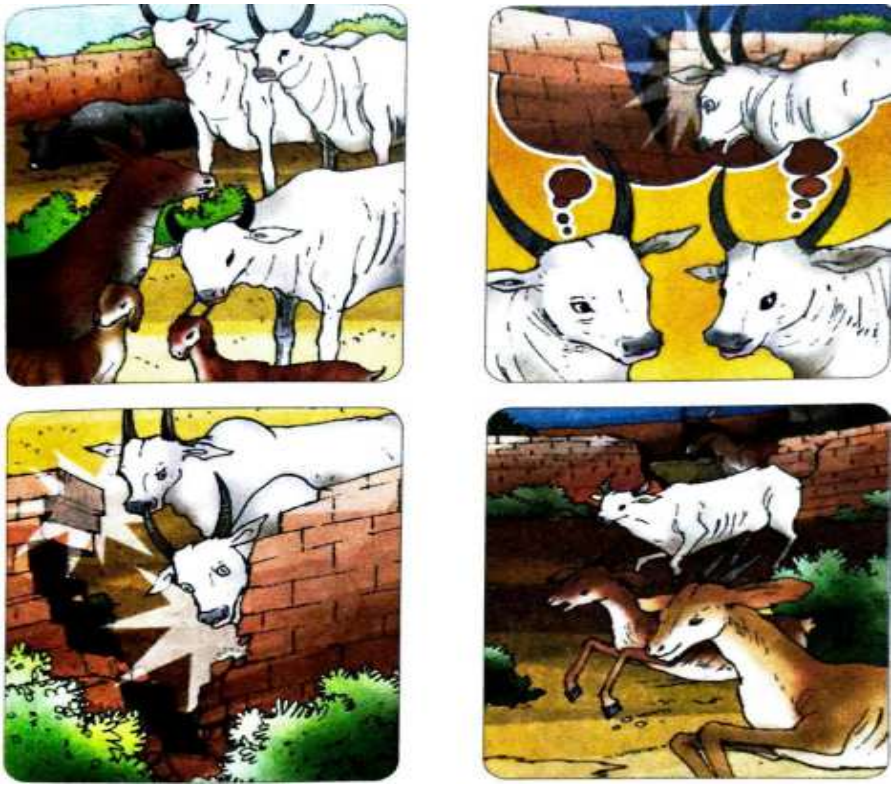

उत्तर:

चित्र 1: (काँजीहाउस में बंद करना)

- संवाद: "हमें यहाँ क्यों बंद कर दिया गया?"
- वाक्य: हीरा और मोती को पकड़कर काँजीहाउस में बंद कर दिया गया।

चित्र 2: (भागने की योजना)

- संवाद: "हमें यहाँ से निकलने का उपाय करना होगा।"
- वाक्य: दोनों मित्र भागने की योजना बनाते हैं।

चित्र 3: (दीवार तोड़ना)

- संवाद: "पूरा जोर लगाओ, दीवार टूट जाएगी!"
- वाक्य: दोनों मिलकर दीवार तोड़ने की कोशिश करते हैं।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

चित्र 4: (आज़ादी)

- संवाद: "अब हम आज़ाद हैं!"
- वाक्य: दीवार टूट जाती है और सभी पशु बाहर निकल जाते हैं।

व्याकरण की बात

मेरे शब्द

कहानी में से पाँच ऐसे शब्द चुनकर लिखिए जो आपके लिए बिल्कुल नए हैं। अब उन शब्दों के अर्थ अपने अनुमान से लिखिए। इसके बाद उनके अर्थ शब्दकोश में से देखकर लिखिए।

उत्तर:

शब्द	अनुमानित अर्थ	शब्दकोश अर्थ
1. काँजीहाउस	- जहाँ जानवरों को बंद किया जाता है	- पकड़े गए या आवारा पशुओं को रखने का स्थान
2. पछाईं	- पीछे की ओर या पश्चिम दिशा	- पश्चिम दिशा या पीछे की ओर का भाग
3. निरापद	- सुरक्षित, जिसमें कोई खतरा न हो	- जिसमें कोई डर या खतरा न हो; सुरक्षित
4. पगहिया	- जानवर को बाँधने की रस्सी	- पशुओं को बाँधने के लिए प्रयुक्त रस्सी या बंधन
5. नाँद	- जानवरों के खाने का बर्तन	- पशुओं को चारा या पानी देने का बड़ा पात्र

भाषा गढ़ते मुहावरे

"लोग आ-आकर उनकी सूरत देखते और मन फीका करके चले जाते।"

'मन फीका करना' एक मुहावरा है जिसका अर्थ आपको वाक्य पढ़कर समझ में आ ही गया होगा। इसी से मिलते-जुलते मुहावरे हैं— जी फीका होना, जी खट्टा होना आदि। 'दो बैलों की कथा' कहानी में कई मुहावरे हैं जिनसे यह कहानी जीवंत हो गई है। ऐसी भाषा को ही मुहावरेदार भाषा कहा जाता है।

कहानी में से चुनकर कुछ वाक्य नीचे दिए गए हैं। इन वाक्यों में मुहावरों को पहचानकर रेखांकित कीजिए। इन मुहावरों का प्रयोग करते हुए नए वाक्य बनाकर लिखिए—

1. "झूरी के साले गया को घर तक गोईं ले जाने में दाँतों पसीना आ गया।"

   उत्तर: दाँतों पसीना आ जाना

   अर्थ: बहुत कठिनाई होना

नया वाक्य: भारी सामान उठाने में मेरे दाँतों पसीना आ गया।

2. “उसका चेहरा देखकर अंतर्ज्ञान से दोनों मित्रों के दिल काँप उठे।”

   उत्तर: दिल काँप उठना

   अर्थ: बहुत डर जाना

   नया वाक्य: भूकंप के झटके महसूस होते ही लोगों के दिल काँप उठे।

3. “झूरी की स्त्री ने बैलों को द्वार पर देखा, तो जल उठी।”

   उत्तर: जल उठना

   अर्थ: ईर्ष्या या क्रोध होना

   नया वाक्य: अपने दोस्त की सफलता देखकर वह जल उठी।

4. “मोती दिल में ऐंठकर रह गया।”

   उत्तर: दिल में ऐंठकर रह जाना

   अर्थ: मन में गुस्सा या दुख दबाकर रह जाना

   नया वाक्य: अपमान सहकर वह दिल में ऐंठकर रह गया।

5. “आएगा तो दूर ही से खबर लूँगा।”

   उत्तर: खबर लेना

   अर्थ: डाँटना या सजा देना

   नया वाक्य: यदि उसने गलती दोहराई, तो शिक्षक उसकी खबर लेंगे।

6. “चार बातें सुनकर गम खा जाते हैं।”

   उत्तर: गम खाना

   अर्थ: दुख या अपमान सह लेना

   नया वाक्य: वह सबकी डाँट चुपचाप गम खा जाता है।

7. “ईंट का जवाब पत्थर से देना सीख जाते...”

   उत्तर: ईंट का जवाब पत्थर से देना

   अर्थ: बुराई का बदला और अधिक ताकत से देना

   नया वाक्य: अब वह अन्याय के खिलाफ ईंट का जवाब पत्थर से देता है।

8. “बंदा तो नौ-दो ग्यारह हो जाता है।”

   उत्तर: नौ-दो ग्यारह होना

   अर्थ: जल्दी से भाग जाना

   नया वाक्य: पुलिस को देखते ही चोर नौ-दो ग्यारह हो गया।

आज की पहली

नीचे दी गई गतिविधियाँ अपने समूह के साथ मिलकर कीजिए—

1. कविता (गीत) और अभिनंदन-पत्र

   "बाल-सभा ने निश्चय किया, दोनों पशुवीरों को अभिनंदन-पत्र देना चाहिए।"

   (क) मान लीजिए कि बाल-सभा ने हीरा और मोती की प्रशंसा में एक गीत लिखा और गाया। अपनी कल्पना से वह गीत लिखिए।

   उत्तर:

   हीरा-मोती वीर हमारे,
   साहस से भरपूर हमारे।
   बंधन तोड़ आज़ाद हुए,
   अन्याय से ना कभी डरे।

   भूख-प्यास सब सहते रहे,
   मित्रता का मान रखते रहे।
   हम सब मिलकर गान सुनाएँ,
   उनकी गाथा जग में गाएँ।

   (ख) हीरा और मोती के लिए अभिनंदन-पत्र लिखिए।

   उत्तर:

   अभिनंदन-पत्र

   प्रिय हीरा और मोती,

   हमारी बाल-सभा की ओर से आप दोनों वीरों को हार्दिक अभिनंदन। आपने साहस, धैर्य और सच्ची मित्रता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है।

   आपने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष कर यह सिद्ध किया कि हिम्मत और एकता से हर कठिनाई को पार किया जा सकता है।

   हम सभी आप पर गर्व करते हैं और आपके उज्ज्वल जीवन की कामना करते हैं।

   धन्यवाद।

   – बाल-सभा के सदस्य

2. बाल सभा में भाषण

   मान लीजिए कि आपको बाल-सभा ने हीरा-मोती के लौटने के बाद भाषण देने के लिए बुलाया है। भाषण का विषय है— 'पशुओं के अधिकार'। अपना भाषण लिखिए और कक्षा में प्रस्तुत कीजिए।

   उत्तर:

   आदरणीय प्रधानाचार्य महोदय, शिक्षकगण और मेरे प्रिय साथियों,

   आज मैं 'पशुओं के अधिकार' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करना चाहता/चाहती हूँ।

   पशु भी जीवित प्राणी हैं। उन्हें भी दर्द, भूख और प्यार की आवश्यकता होती है। हमें उनके साथ दया और करुणा का व्यवहार करना चाहिए। उन्हें उचित भोजन, पानी और आराम मिलना चाहिए।

   हमें पशुओं पर अत्याचार नहीं करना चाहिए और उनकी सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए। हीरा और मोती की कहानी हमें सिखाती है कि पशु भी भावनाएँ रखते हैं और हमें उनका सम्मान करना चाहिए।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम पशुओं के प्रति हमेशा दयालु और जिम्मेदार रहेंगे।

धन्यवाद।

3. शीर्षक

इस कहानी के पाँच भाग हैं। कहानी के प्रत्येक भाग को अपने मन से उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

उत्तर: कहानी के पाँच भागों के शीर्षक—

- झूरी और उसके प्रिय बैल
- गया के घर की कठिनाई
- काँजीहाउस की पीड़ा
- साहस और आज़ादी की खोज
- घर वापसी और सम्मान

मेरी पहेली

अपने समूह के साथ मिलकर ऐसी पहेलियाँ बनाइए जिनके उत्तर निम्नलिखित हों—

हीरा, झूरी, मोती, गया, बैल, मटर, रस्सी, रोटी

भाषा संगम

"कभी-कभी अड़ियल बैल भी देखने में आता है।"

नीचे 'बैल' शब्द के लिए संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित कुछ भारतीय भाषाओं में प्रयुक्त शब्दों की सूची दी गई है।

बैल (हिंदी); वृषभ: (संस्कृत); बओलद, बल्द (पंजाबी); बैल (उर्दू); दोंद (कश्मीरी); ढगो (सिंधी); बैल (मराठी); बळद (गुजराती); बैल (कोंकणी); गोरु (नेपाली); बलद (बांग्ला); षौड़, बलध (असमिया); शन लाबा (मणिपुरी); बलद (ओड़िआ); एंददु (तेलुगु); एरिदु/काळैमाहु (तमिल); काळ (मलयालम); एत्तु (कन्नड़)।

इनके अतिरिक्त यदि आप 'बैल' शब्द को किसी और भाषा में भी जानते हैं तो उस भाषा में भी लिखिए।

उपर्युक्त वाक्य को अपनी मातृभाषा में भी लिखिए।

उत्तर:

पहेलियाँ

1. मैं चमकता हूँ नाम से, हूँ बैल पर नहीं पत्थर,
   मित्रता में सबसे आगे, बताओ कौन हूँ मैं?
   उत्तर: हीरा
2. अपने बैलों से करता प्यार,
   उनका रखता बहुत ख्याल,
   गाँव में जिसकी है पहचान—
   बताओ उसका क्या है नाम?
   उत्तर: झूरी

3. गुस्से वाला, पर दिल का साफ,
   मित्र के साथ निभाए साथ,
   हीरा का सच्चा साथी—
   बताओ कौन है यह साथी?
   उत्तर: मोती
4. झूरी का साला कहलाता,
   बैलों को अपने घर ले जाता—
   बताओ उसका क्या है नाम?
   उत्तर: गया
5. खेत जोतूँ, गाड़ी खींचूँ,
   किसान का मैं साथी हूँ—
   बताओ मैं कौन हूँ?
   उत्तर: बैल
6. हरी-हरी गोल दानेदार,
   सब्ज़ी बनकर लगे स्वाददार—
   बताओ मैं क्या हूँ?
   उत्तर: मटर
7. बाँधने के काम मैं आती,
   मजबूत होकर काम निभाती—
   बताओ मैं क्या हूँ?
   उत्तर: रस्सी
8. गोल-गोल, तवे पर सिकती,
   सबकी भूख को मैं ही मिटती—
   बताओ मैं क्या हूँ?
   उत्तर: रोटी

2. भाषा संगम

(क) अन्य भाषा में 'बैल':- अंग्रेज़ी (English): Bull / Ox

(ख) वाक्य का मातृभाषा में रूप

- हिंदी वाक्य: "कभी-कभी अड़ियल बैल भी देखने में आता है।"
- गुजराती (मातृभाषा) में: "ક્યારેક હઠીલો બળદ પણ જોવા મળે છે।"

खोजबीन

दो बैलों की कथा

- https://www.youtube.com/watch?v=cq0Lgg7iM14&ab_channel=NCERTOFFICIAL

कथा सम्राट— प्रेमचंद

- https://www.youtube.com/watch?v=3314rJcclul&ab_channel=NCERTOFFICIAL

प्रेमचंद का बचपन और बच्चों की कहानियाँ

- https://www.youtube.com/watch?v=bg0MzrE36Dg&t-187s&ab_channel-NCERTOFFICIAL